



Congratulations! You have chosen one of the finest hybrid mustard seeds from the Crystal Crystal has solid experience in producing high-quality hybrid mustard seeds. These seeds are the result of extensive research, aimed at developing high-yielding hybrid crops suitable for diverse agroclimatic climates. Crystal adopts the latest technologies during seed production to ensure that farmers receive seeds that are of the highest quality. These seeds are known to provide excellent germination & better vigor with tolerant to biotic & abiotic stresses. Kindly adopt the best farming practices to get outstanding yield. The following general recommendations are provided, so we kindly ask you to read these recommendations before making any decisions.

[illegible]

बर्बाद। आपने कहा कि आपने एक संकर संसदीय बीजों से को को चुना है। किन्तु एक गुणवत्ता-युक्त संकर संसदीय बीजों का उत्पादन का जन्मतुल्य अर्थ है, इन बीजों को व्यापक रूप से दुरुपयोग किया गया है, जिसका उद्देश्य अधिक उपज के साथ संकर फसलें विकसित करना है जो विभिन्न कृषि जनजातों/किसानों के लिए उपयुक्त हों। किन्तु बीज उत्पादन के दौरान उपजमत्त तकनीकों का उपयोग करना है जिससे सुविधित बनता है कि किसानों को उपजमत्त गुणवत्ता वाले बीज मिलें। किन्तु का संकर संसदीय बीज अनुक्रम एक ऊपर और तल में बेहतर होने से साथ जैविक और अजैविक तत्वों के प्रसार सहायक है। कृषय जनजातों उपज प्राप्त करने के लिए सार्वजनिक कृषि प्रयोगशाला हैं। निम्नलिखित सामान्य अनुसंधान हैं, इसलिए हम आपसे अनुरोध करते हैं कि कोई भी निष्पत्ति देने से पहले इन अग्रसंधानों का अवसर प्राप्त करें।

केंद्र संस्था	PA 5232	PA 5235	PA 5210	5222	PA 5252	केंवती नोंद	केंवती 5111	केंवती 5100	सुन्वणी	खत							
वही का मोसम-अग्रवि (दिन)	125-130	125-130	130-135	125-130	130-135	105-115	105-115	95-105	101-110	101-110							
कृष्या ध्यान र्हेतु कि मोसम की स्थिति के अनुसार, फसल की बदलाव और परिरक्षण में निम्ना हो सकती है.																	
सिंचाई का स्रोत	वर्षा सिंचित और सिंचित																
मिठी की उर्वरता और सिंचाई की उपस्थिति के अनुसार संस्कार का ध्यान किया जाना चाहिए.																	
सामान्य अनुसंधान																	
दुबई	दुबई 1 कि.ग्र./एकड़ की अनुसंधान बीज दर, साध हो पर्याप्त नमी और अनुसंधान अंतराल के साथ की जानी चाहिए.																
बीज उत्पन्न	बीज रिवल (75% डब्ल्यूएस) और डेटामेन्ट (2.5% डब्ल्यूपी) से उत्पन्न है, इसलिए दुबई से पहले बीज को निमोर्न नहीं से.मी. में दूरी (कलाह से कलाह और पीछे से पीछे के बीज)																
वर्ष सिंचित/सिंचित 60,000 लीटर/एकड़	145x15 cm																
FYM (गोबर की खाद) और रासायनिक उर्वरकों की सिफारिश: खेत की तैयारी के समय 60 से 80 टन गोबर की खाद, 8 कि.ग्र. सल्फर और 500 ग्र. बोरेन प्रति एकड़ के सिंचाई से अग्र.																	
राज्य की विकास के अनुसार, उर्वरक की कि.ग्र./एकड़ मात्रा नीचे हाइड्रो-5222, पी 5210, पी 5232, पी 5235, पी 5252 के लिए बताई गई है.																	
राज्य	गुजरात	S.S.P	पीठाहा	राज्य	महाराष्ट्र	काश्मीर	पीठाहा										
हरियाणा	54	50	0	हरियाणा	25	8	0										
राजस्थान	52	100	0	राजस्थान	24	16	0										
उत्तर प्रदेश	104	100	27	उत्तर प्रदेश	48	16	16										
मध्य प्रदेश	52	75	13	मध्य प्रदेश	24	12	8										
गुजरात	43	125	0	गुजरात	20	20	0										
बिहार	70	100	27	बिहार	32	16	16										
				पश्चिम बंगाल	40	16	16										
				पूर्वी राज्य	20	12	12	 CRYSTAL Inspiring Growth									
सिंचाई	पहली सिंचाई दुबई के 30 दिन बाद (बूल आने से पहले) और दूसरी सिंचाई दुबई के 60-65 दिन बाद (फली बनने की अवस्था) की जानी चाहिए																
हरावदार प्रदान	बोई गई फसल के प्रारंभिक चरण में खरपतवार प्रबंधन बहुत जरूरी है. हाथ से निराई/फसल के बीच जुताई या अनुसंधान शाकाशयियों का प्रयोग कर खरपतवार नियंत्रण किया जाना चाहिए.																
बीज एवं बीज और निवेश धन																	
बीज/रॉट	प्रकोप का समय	निवेश का समय/रासायनिक	मात्रा/एकड़														
बीज बना	अनुक्रमण और पत्ती बनने के तुरंत बाद	बीज/एकड़ 7000/एकड़	5 मा.ग्र./कि.ग्र. बीज की दर से बीज उत्पन्न														
एकड़	बीज गठन	अंतिम/एकड़ 25% बीज	300 लीटर पानी में 400 मि.ली./एकड़ की दर से सिंचाई करें														
अंतराल/बीज	कानपुर/बीज से प्रथम अवस्था	गुजरात/बीज 50% + डेटामेन्ट 25%	दुबई के 45 और 75 दिन 1 ग्र./लीटर पानी की दर से प्रति एकड़ 300 से 350 लीटर पानी का सिंचाई करें														
खाद/रॉट	कानपुर/बीज से प्रथम अवस्था	देवगिरि/बीज (एकड़ 50%)	8 मा.ग्र./एकड़ बीज की दर से बीज उत्पन्न करें														
कलेक्टिंग/बीज	पूल आने के बाद	गुजरात/बीज	दुबई के 60-65 दिन 1 मि.ली./लीटर पानी से 8 से 10														

खेत में कीटांत और रोगों को नियंत्रित करने के लिए अधिक जानकारी के लिए, कृषया स्थानीय राज्य कृषि विभाग से परामर्श करें

फसल कटाई और मंडाई

जब सरसों की फसल कायिक परिपक्वता की स्थिति में पहुँच जाती है तो यह कटाई के लिए आदर्श अवस्था होती है. यह 75% पत्तियों का हरा पलाता हो जाना से निर्धारित होता है. जब बीज की नमी 12-20% के बीच हो, तब मंडाई की जानी चाहिए.

भंडारण

मंडाई के बाद, बीजों को धूप में अच्छी तरह से सुखाना सूखी और ठंडी जगहों पर भंडारित करें. इस बात का ख्याल रखें कि बीज नम से अधिक न हों.

व्या न करें

1. जिन खेतों में पिछले वर्ष स्क्लेरोट्रिया स्टैम रॉट का प्रकोप रहा हो, उनमें सरसों के बीज न बोएँ.
2. सरसों की उपज को अल्पाधिक नमी की स्थिति में न रखें.

व्या करें

1. फसल की प्रारंभिक अवस्था में कीटांत और रोगों की पहचान कर उनके खिलाफ निवारक उपाय करें.
2. बदलाव की पूरी अवधि के दौरान धूप में जल निकासी अच्छी रहनी चाहिए.

ध्यान दें

उपयुक्त जानकारी एक सामान्य परामर्श है. किसी विशेष क्षेत्र से संबंधित विशिष्ट सलाह के लिए, कृषया अपने स्थानीय राज्य कृषि विभाग से संपर्क करें.

सावधानियाँ

फसल की बदलाव और उपज विभिन्न कारकों से प्रभावित हो सकती है. इसलिए, सलाह के लिए अपने स्थानीय राज्य कृषि विभाग से परामर्श करने की अनुमति की जाती है. सुनिश्चित करें कि केवल उच्च गुणवत्ता वाले उर्वरकों और कीटनाशकों का ही उपयोग किया जाए. बीज, उर्वरक और कीटनाशकों की खरीद के बिल संग्रह कर रखें.

[illegible][illegible]

অন্যদিকে, যখন ক্রিষ্টাল থেকে ফলন পাৰা হাইড্ৰিড সৰিয়া বাৰাণ্ডলৰ মধ্য
একটি বেহে নিয়মে। উচ্চ ফলনশীল হাইড্ৰিড সৰিয়া বাৰাণ্ডল উপস্থাপন
কৰিবলৈ একটা শিৰোনীয়া প্ৰক্ৰিয়া চৰ্কেৰে বৰ্তায়। এই বাৰাণ্ডলৰ বিভিন্ন
জৰাৰায়, বৰণৰ জৰা উদ্ভূত উচ্চ ফলনশীল হাইড্ৰিড উপস্থাপন কৰা।
এটিজন কৰাৰ কাৰণ হৈছে প্ৰথমৰ জৰাফাল। ফলকাৰী বাৰাণ্ডলৰে সৰিয়াক ফলন
পাৰা না দিছিল কৰায় তাৰ ক্রিষ্টাল বাৰাণ্ডল হাইড্ৰোদৰ্শনৰ সৰিয়াক প্ৰযুক্তি
প্ৰথমে কৰায়। ক্রিষ্টাল হাইড্ৰিড সৰিয়া বাৰাণ্ডল আৰু অক্সোদৰ্শন এবং জৈবিক এবং
অজৈবিক বিক্ৰিয়াক প্ৰথমে জৰাৰ ভাগ হাইড্ৰোদৰ্শন ক্ষমতা প্ৰথমে কৰায়। আধাৰাণ
ফলন অন্তৰ্ভুক্ত কৰা সৰিয়াক পদ্ধতি পদ্ধতি সাধাৰণতঃ সৰিয়াক প্ৰথমে কৰায়।
এওঁলৈ সাধাৰণ সুধাৰি, আই আৰা আৰু প্ৰাচীৰ অক্সোদৰ্শন অনুৰোধ কৰাই ক্ৰোকাও
হুচ কৰায়। এই উপপদ্ধতিৰ প্ৰাচীৰ প্ৰাচীৰ প্ৰদৰ্শন।

সিঁদুরের হাইব্রিড বীর কৌসুম - সরকারী (সিঁদুর)	PA 52322	PA 5235	PA 5210	5222	PA 5252	কেন্দ্রী গোলা কলী 5111	লেন্ডী 5100	সুন্দারি	বল্লভ		
125-130	125-130	130-135	125-130	130-135	105-115	105-115	95-105	101-110	101-110		
অনুগ্রহ করে মনে রাখবেন, আবহাওয়ার অবস্থা অনুসারে কলসের বৃষ্টি এবং পরিপাকতার পরিবর্তিত হতে পারে।											
গুটিনের অথবা সেমিনের											
মাত্রি উর্ধ্বতা এবং সোচ বন্ধতার উপর ভিত্তি করে হাইব্রিড নির্ধারন করা উচিত।											
সম্ভাব্য সুগাধি											
বীজ বপনের সুগাধিগত হার 1 কেজি/একর, পরাগ জল এবং সুগাধিশুকত বর্ধাবনে করতে হবে।											
বীজ শোষণের জন্য বিয়োগ (75% WS) এবং সেমিনেশন (2.5% WP) ব্যবহার করা হই, তাই বপনের আগে বীজ প্রদ্রোষ করুন।											
দূর্য সেলেক্টিভিটি (বীজের মধ্যে দূর্য এবং গাছের মধ্যে দূর্য)											
বীজের/সেমিনের 60000 গুণ/একর	45x15 cm										
এক-একটি-এম এবং রাসায়নিক সারের সুগাধি- - ক্ষেত তৈরির সময় প্রতি একরে 60 থেকে 80 কুইন্টাল সার, 8 কেজি সালফার এবং 500 গ্রাম বোরন যোগ করুন।											
হাইব্রিড- 5222, PA 5210, PA 5232, PA 5235, PA 5252 এর জন্য রক্তের সুগাধি অনুসারে সারের মাত্র সেলেক্টিভিটি মনে রাখুন।				হাইব্রিড জাতের জন্য রক্তের সুগাধি অনুসারে সেলেক্টিভিটি সারের পরিমাণ নিচে দেয়া হল - কেন্দ্রী গোলা, কেন্দ্রী 5111, লেন্ডী 5100, সুন্দারি, বৃন্দারি গোলা							
রাজা গুলি	ইউরাজি	S.S.P	পটাস	রাজা গুলি	নাইট্রোজেন	ফসফরাস	পটাস				
খরিয়ানা	54	50	0	খরিয়ানা	25	8	0				
রাজস্থান	52	100	0	রাজস্থান	24	16	0				
উত্তরপ্রদেশ	104	100	27	উত্তরপ্রদেশ	48	16	16				
মধ্যপ্রদেশ	52	75	13	মধ্যপ্রদেশ	24	12	8				
গুজরাট	43	125	0	গুজরাট	20	20	0				
বিহার	70	100	27	বিহার	32	16	16				
				পশ্চিমবঙ্গ	40	16	16				
				পূর্ব গোড়ালি	20	12	12				
সোচ	বীজ বপনের 30 দিন পর প্রথম সেচ (ফুল আসার আগে) এবং বীজ বপনের 60-65 দিন পর দ্বিতীয় সেচ (সিলিংয়ের প্রথমের পর)।										
আগাছা বোধান	বীজ বপনের প্রথমিক পর্যায়ে আগাছা ব্যবস্থাকার করাটা একটি সুবিধা প্রকৃতিগত কারণ। আগাছা নিয়ন্ত্রণ হাতে আগাছা/আগাছা-এর বা সুগাধিশুকত আগাছা/আগাছা-এর প্রচারণার মাধ্যমে করতে হবে।										
গোলাকমন্ডল ও গোলা বীজের নিয়ন্ত্রণ ব্যবস্থা											
	গোলাকমন্ডল উৎপত্ত সেচা	প্রচারণার সময়	নিয়ন্ত্রণ ব্যবস্থা সময়কাল	গোলা বা ম্যাট্রা/একর							
	উৎপত্ত সেচা	চলুপোলাপনি এবং সিলিংয়ের পটাসের টিক পরে	ইউরাজি 100/একর	পটাস বীজের 5 গ্রাম বীজের শেড							
	একিড	বীজ বপন	খরিয়ানের মিডেল 25%ইটি	300 টির চলুপোলাপনি একিড ৩০							
	চলুপোলাপনি ৫৫টি	ইউজি প্রচারণার পটাসের পটাসের	চলুপোলাপনি 10% + ইউজি/একর 25%	45 একর 75 টি একর এ। প্রচারণার জল প্রদ্রোষ করে প্রতি একর 300 করে 300 টিকের জল ব্যবহার করুন							
	সসা ম্যাট্রা	ইউজি প্রচারণার পটাসের	চলুপোলাপনি ৫৫ টি একর	পটাস বীজের 5 গ্রাম বীজের শেড							
	চলুপোলাপনি ৫৫ টি	চলুপোলাপনি ৫৫ টি	চলুপোলাপনি ৫৫ টি	৫৫ টি একর ৫৫ টি একর ৫৫ টি একর							
ক্ষেত্রে গোলাকমন্ডল এবং গোলা নিয়ন্ত্রণের জন্য আরও তাদের জন্য, অনুগ্রহ করে ছানীয় রাজা কৃষি বিভাগের সাথে পরামর্শ করুন											
ফসল কাটা এবং ফসল ম্যাট্রা করা	সর্বোচ্চ ফসল কাটার আদর্শ পদ্ধতি হল ফসল ফসলটি সম্পূর্ণভাবে গাছের পরিপাক হই। এটি 75% ফসল রক্তের স্টিটি হইয়া নির্ধারিত হই। বীজের আর্দ্রতা 12-20% হইয়া ম্যাট্রা করা উচিত।										
সরবক্ষণ	ম্যাট্রা হইয়া পর বীজগুলোকে ভালো করে রোসে শুকিয়ে শুকনো ও ঠাণ্ডা জায়গায় সরবক্ষণ করুন। আর্দ্রতার পরিমাণ 8% এর বেশি না হই, অনুগ্রহ করে তা নিশ্চিত করুন।										
করবোনে না	1. আগের বছর গোলায় প্রচারণার কাটা ও পটাসের ত্রুটিরা দেখা গেছে, সেখানে সর্বোচ্চ বীজ বপন করবেন না। 2. পরিবার ফসল অতিরিক্ত আর্দ্রতার মধ্যে রাখবেন না।										
করবোনে	1. ফসলের প্রাথমিক পর্যায়ে কীটপতঙ্গ এবং রোগ সনাক্ত করুন এবং তাদের বিরুদ্ধে প্রতিরোধমূলক ব্যবস্থা নিন। 2. ফসলের পুরো সময়কালে জমিতে ভালো নিয়ন্ত্রণ ব্যবস্থা থাকা উচিত।										
মনে রাখবেন	উপরে তথ্যগুলি সাধারণ পরামর্শ। কোনও নির্দিষ্ট এলাকার জন্য নির্দিষ্ট সুগাধিগত জন্ম, অনুগ্রহ করে আপনার স্থানীয় রাজা কৃষি বিভাগের সাথে যোগাযোগ করুন।										
সর্বত্র	শসা বীজ এবং ফসল বীজের কাঠের বা প্রাচীর হতে পারে। অতএব, পরামর্শের জন্য আপনার স্থানীয় রাজা কৃষি বিভাগের সাথে পরামর্শ করা বাঞ্ছনীয়। শুষ্কতার উচ্চ মাত্রার সার এবং কীটনাশক ব্যবহার করা হইয়া তা নিশ্চিত করুন। বীজ, সার ও কীটনাশক ক্রয়ের বিল নিম্নলিখিত রাসুন।										

[illegible][illegible]